स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

राजेश्वरी चटर्जी

राजेश्वरी चटर्जी का जन्म जनवरी 1922 में एक प्रगतिशील खुले विचारों वाले परिवार में हुआ था। इनकी दादी कमालअम्मा दासप्पा मैसूर राज्य की प्रथम स्नातकों में से एक थीं और महिलाओं की शिक्षा के कार्य में लगी हुई थीं।

स्कूली शिक्षा पूरी होते-होते राजेश्वरी का रूझान इतिहास, विज्ञान और गणित की ओर हो गया। इन्हें ऐतिहासिक घटनाओं का अध्ययन बहुत अच्छा लगता था किंतु अंततः भौतिकी और गणित विषय को अध्ययन के लिए चुना। सेंट्रल कॉलेज बैंगलूर से बी.एससी. (ऑनर्स) और मैसूर विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर किया। एम.एससी. करने के बाद इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बैंगलूर में इलेक्ट्रिकल टेक्नॉलॉजी विभाग में काम करना शुरू किया। वे कर्नाटक की प्रथम इंजीनियर हैं। उनकी विशेषज्ञता माइक्रोवेव और एंटीना इंजीनियरिंग में है। अभी तक 100 से अधिक शोध पत्र और 6 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। ज़्यादातर शोध पत्र और पुस्तकें विद्युत-चुंबकीय सिद्धांत, इलेक्ट्रॉन ट्यूब सर्किट, माइक्रोवेव टेक्नॉलॉजी जैसे विषयों पर केंद्रित थे।

युनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन की स्कॉलरशिप पर वहां ग्रेजुएट स्टडीज़ के लिए गई। इन्होंने पीएच.डी. बारबारा स्कॉलरशिप पर की।

इन्हें अनेकों पुरस्कारों से नवाज़ा गया। बी.एससी. (आनर्स) में प्रथम रैंक के लिए मुमदी कृष्णाराजा वाड्यार अवार्ड, एम.एससी. में प्रथम स्थान के लिए एमटी आयंगर पुरस्कार और वाटर्स मेमोरियल पुरस्कार, इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड रेडियो इंजीनियरिंग, यूके द्वारा सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए लार्ड माउण्टबेटन पुरस्कार, जे.सी. बोस मेमोरियल पुरस्कार, रामलाल बाघवा पुरस्कार आदि। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस से सेवानिवृत्त होने के बाद राजेश्वरी अनेक सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़ गईं। उनका मुख्य जुड़ाव इंडियन एसोसिएशन फॉर वीमेन्स स्टडीज़ से है। उनकी कोशिश और इच्छा है कि हर स्तर की महिलाएं विज्ञान के क्षेत्र में आगे आकर अपना सफल मुकाम बना सकें।

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादकः डॉ. सुशील जोशी